जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 47 संख्याः 233 प्रभात बीकानेर, गुरूवार 19 मार्च, 2026 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रू.

जिला स्तर के 43 प्रशासनिक व पुलिस अधिकारियों के ट्रांफसर हुए बंगाल में

चुनाव आयोग के इस आदेश से ममता बनर्जी बुरी तरह भन्नाईं

- ममता बनर्जी ने कहा कि बिना राज्य सकार को विश्वास में लिए, चुनाव आयोग को इतने व्यापक प्रशासनिक फेरबदल का अधिकार नहीं है।
- ममता बनर्जी ने कहा, जिस भी अधिकारी का ट्रांसफर किया है चुनाव आयोग ने, उन्हें पुनः नियुक्त करेंगी पुराने पद पर तथा उनको ईनाम भी देंगी।
- इस रणनीति से ही ममता बनर्जी ने जिला स्तर तक पूरी पकड़ बना रखी थी, प्रशासन पर।
- पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी इतनी वफादारी रखते थे ममता जी से कि जब भी केन्द्रीय रक्षा बल (सीआरपी), सीमा सुरक्षा बल को राज्य में भेजा जाता था, निष्पक्ष व निर्भीक चुनाव कराने के लिए, वे लोग स्थानीय प्रशासन को सुपुर्द कर दिए जाते थे, जगह-जगह भेजे जाने के लिए। जिला प्रशासन, इन केन्द्रीय सुरक्षा बलों को पूरी तरह गुमराह रखते थे और वहाँ नहीं भेजते थे, जहाँ उनकी जरुरत होती थी तथा उन्हें उन स्थानों तक पहुँचने भी नहीं दिया जाता था, जहाँ विपक्ष पर आक्रमण हो रहे हों।

-अंजन रॉय -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। आगामी विधानसभा चुनावों से पहले भारत के निर्वाचन आयोग ने पश्चिम बंगाल में वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों और जिला स्तर के अधिकारियों की पोस्टिंग में बड़े पैमाने पर बदलाव किए हैं।

यह कोई नई बात नहीं रही है कि राज्य प्रशासन सत्तारूढ राजनीतिक दल के साथ मिलकर काम करता रहा था और जमीनी स्तर पर चुनाव प्रक्रिया को सत्ताधारी दल के इशारे पर चला रहा था। बदले में, सत्ताधारी सरकार ने हमेशा जिला प्रशासन और पुलिस अधिकारियों की गैर-संवैधानिक गतिविधियों को नजरअंदाज किया।

जिला प्रशासन और पुलिस के कम से कम 43 वरिष्ठ अधिकारियों को बदला गया है। तृणमूल कांग्रेस ने पहले ही इन बदलावों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है और इन बदलावों की कड़ी आलोचना शुरु कर दी है।

निर्वाचन आयोग ने साफ कहा है कि राज्य प्रशासन और वरिष्ठ अधिकारी लगातार निष्पक्ष और शांतिपूर्ण चुनाव कराने में विफल रहे हैं।

ममता बनर्जी ने तो यहां तक कहा है कि आयोग को इतने बड़े स्तर पर बदलाव करने का अधिकार नहीं है, खासकर जब राज्य सरकार से सलाह नहीं ली गई हो।

दूसरी ओर, पार्टी द्वारा बड़ी संख्या में मौजूदा विधायकों को टिकट न देने के फैसले के खिलाफ भी बड़ा विरोध देखने को मिल रहा है। जिन नेताओं को टिकट नहीं मिला है, वे खुलकर पार्टी के फैसले का विरोध कर रहे हैं। कई नेताओं ने तो पार्टी के आधिकारिक उम्मीदवारों के खिलाफ काम करने की धमकी भी दी है।

निर्वाचन आयोग के फैसलों से नाराज तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी गुस्से से आग बबूला हो गईं और उन्होंने स्थानांतरित अधिकारियों को भरोसा दिलाया है कि चुनाव के बाद सत्ता में लौटने पर वे उनका व्यक्तिगत रूप से ध्यान रखेंगी।

इससे पहले उन्होंने घोषणा की थी कि चुनाव आयोग द्वारा बदले या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राहुल गांधी राजस्थान के प्रतिनिधिमंडल के साथ गडकरी से मिले

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। राजस्थान में छोटे ट्रक और बस बॉडी बनाने वाले निर्माताओं का एक प्रतिनिधिमंडल बुधवार को यहां लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से मिला।

प्रतिनिधिमंडल ने चिंता जताई कि सरकार के नए मानक और भारी फीस छोटे निर्माताओं को कारोबार बंद करने पर मजबूर कर सकते हैं, जिससे लाखों परिवारों की आजीविका के लिए खतरा पैदा हो सकता है।

- उन्होंने छोटे ट्रक व बस की बॉडी बनाने वालों की दिक्कतें गडकरी को बताईं।

राहुल गांधी, जिनके साथ कांग्रेस की महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा भी थीं, ने प्रतिनिधिमंडल के साथ सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात की।

कांग्रेस ने एक बयान में कहा कि गडकरी ने उन्हें भरोसा दिलाया कि सरकार उनकी चिंताओं पर विचार करेगी और समस्याओं के समाधान की दिशा में काम करेगी।

'मैंने शशि थरुर का समर्थन किया: इसकी सजा भुगत रहा था दो साल से'

असम में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता प्रद्युत बोरदोलोई ने पार्टी से इस्तीफा देकर भाजपा ''जॉइन'' की

- बोरदोलोई ने कांग्रेस की ओर से दो बार संसद और चार बार विधानसभा चुनाव जीता था तथा इस्तीफे से पूर्व वे असम चुनाव के लिए गठित कांग्रेस घोषणा पत्र कमेटी के अध्यक्ष भी थे।
- भाजपा आल्हादित है इस घटनाक्रम से तथा दावा कर रही है कि चुनाव से पूर्व कांग्रेस के ऐसे कई वरिष्ठ नेताओं के इस्तीफे और आएंगे।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। राज्य चुनावों से पहले असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा और भाजपा को उस समय राजनीतिक बढ़त मिली, जब कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद प्रद्युत बोरदोलोई ने पार्टी छोड़कर भाजपा जॉइन कर ली। उन्होंने कहा कि शशि थरूर का समर्थन करने के कारण उन्हें पार्टी में अपमानित किया गया।

कांग्रेस से इस्तीफा देने के एक दिन बाद, नई दिल्ली में असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा और राज्य भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया की मौजूदगी में औपचारिक रूप से भाजपा में शामिल होते हुए, बोरदोलोई ने कहा कि पिछले दो वर्षों से वे पार्टी के भीतर अपमानित, और घुटन महसूस कर रहे थे, क्योंकि उन्होंने कांग्रेस के भीतर शशि थरूर के समर्थन में अपनी राय रखी थी। उन्होंने कहा, ''मुझे कांग्रेस के हर मंच से बाहर कर दिया गया।''

बोरदोलोई कांग्रेस के सबसे वरिष्ठ नेताओं में रहे हैं और 1975 से इस पार्टी से जुड़े थे। हाल ही में उन्हें असम चुनावों के लिए कांग्रेस की घोषणा पत्र समिति का अध्यक्ष बनाया गया था। दो बार सांसद और चार बार विधायक रह चुके बोरदोलोई ने असम सरकार में मंत्री के रूप में भी काम किया। उन्होंने कहा कि थरूर मुद्दे के अलावा भी, कांग्रेस से उनकी नाराज़गी के कई कारण थे।

उन्होंने असम कांग्रेस की केन्द्रीय चुनाव समिति की हालिया बैठक का जिक्र किया, जहां उन्होंने एक संभावित उम्मीदवार के आपराधिक रिकॉर्ड का मुद्दा उठाया था।

उस समय पार्टी नेता इमरान मसूद ने उनके आरोपों को ''मनगढ़न्त'' बताते हुए खारिज कर दिया था। बोरदोलोई ने कहा, ''मुझे इससे गहरा दुख पहुंचा।''

इस घटनाक्रम से भाजपा और उसके नेतृत्व वाले एनडीए खेमे में भारी खुशी है।

उन्हें उम्मीद है कि चुनाव नज़दीक आने के साथ कांग्रेस के और भी नेता पार्टी छोड़ सकते हैं। कुछ हफ्ते पहले, उस समय भी कांग्रेस को बड़ा झटका लगा था, जब राज्य पार्टी अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने फरवरी में इस्तीफा देकर भाजपा जॉइन कर ली थी।

असम की सभी 126 विधानसभा सीटों पर 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान होगा, जबकि वोटों की गिनती 4 मई को होगी। भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए लगातार तीसरी बार सरकार बनाने की कोशिश में है, जबकि कांग्रेस राज्य की सत्ता में लौटने का प्रयास कर रही है।

रूस का ऑयल टैंकर बीच रास्ते में ''प्लान'' बदलकर भारत पहुँचेगा

चीन के बजाय अब यह ऑयल भारत को डिलिवर करेगा

- अब तक, जब से अमेरिका ने भारत को रूसी ऑयल खरीदने की छूट दी है, सात टैंकर अपना ''ट्रैवल प्लान'' बदल कर शीघ्र ही भारत पहुँचेंगे, ऑयल डिलिवर करने के लिए।
- भारत की रिफाइनरी, बहुत खुश हैं, इस घटनाक्रम से, क्योंकि वे रूसी ऑयल को ''रिफाइन'' करने के लिए पूर्णतया अभ्यस्त हैं तथा जब से अमेरिका ने रूसी तेल खरीदने की रियायत दी है, एक ही सप्ताह में लगभग 30 मिलियन बैरल रूसी ऑयल खरीदा है भारत ने।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। रूस का एक तेल टैंकर, जो पहले चीन जा रहा था, अब भारत की ओर बढ़ रहा है। ''एक्वा टाइटन'' नाम का यह टैंकर 21 मार्च को न्यू मैंगलोर पहुंचने वाला है। यह अपने साथ ''यूराल्स'' तेल का कार्गो ला रहा है, जिसे इसने जनवरी के अंत में बाल्टिक सागर के एक बंदरगाह से लोड किया था।

इस अफ्रामैक्स जहाज ने पहले चीन के रिझाओ बंदरगाह को अपना गंतव्य बताया था। लेकिन मार्च के मध्य में इसने दक्षिण-पूर्व एशिया के पानी में अचानक अपना रास्ता बदल लिया। यह बदलाव उस समय हुआ, जब अमेरिका ने भारत को अस्थायी रूप से रूस से तेल खरीद बढ़ाने की अनुमति दी।

अनुमति मिलने के एक सप्ताह के अन्दर ही, भारतीय रिफाइनरियों ने एक ही सप्ताह में लगभग 3 करोड़ बैरल रूसी तेल खरीद लिया। यह कदम ईरान में युद्ध के कारण मध्य-पूर्व से तेल की आपूर्ति में आई कमी को पूरा करने के लिए उठाया गया।

इसके बाद, और भी देशों को रूस से तेल खरीद फिर से शुरू करने की अनुमति मिल गई है। इससे चीन की ओर जाने वाले तेल की दिशा बदलकर अन्य देशों की ओर जाने का रास्ता खुल गया है। हाल के महीनों में भारत द्वारा खरीद कम करने के बाद चीन रूस का मुख्य खरीदार बन गया था। अब जापान और दक्षिण कोरिया जैसे खरीददार देशों की वापसी के कारण तेल की कीमतें बढ़ाने की संभावना है।

''वॉर्टेक्सा लिमिटेड'' के आंकड़ों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री आज रोडवेज को 207 नई बसें सौपेंगे

जयपुर, 18 मार्च। राजस्थान दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को बेहतर, सुरक्षित और आधुनिक यातायात सुविधाओं की विशेष सौगात मिलेगी। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार (19 मार्च) को अजमेर रोड स्थित बस टर्मिनल पर राज्य पथ परिवहन निगम की नवीन बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

- राजस्थान दिवस पर 100 ब्लूलाइन एक्सप्रेस, 79 स्टार लाइन बस तथा 28 एसी बसों को मुख्यमंत्री हरी झंडी दिखाकर रवाना करेंगे।

राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित इस कार्यक्रम में आरएसआरटीसी की ओर से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा रणनीति तय करके क्रियान्वन मुद्रा में आयी असम में

मोदी संभवतया तीन रैली संबोधित करेंगे फाइनल चरण में तथा अमित शाह मार्च माह में आक्रमक अभियान चलाएंगे पूरे प्रदेश में

- जैसा कि विदित ही है, भाजपा व असम गण परिषद व बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट के बीच सीटों के बंटवारे के अंतर्गत भाजपा 89 सीटों पर, असम गण परिषद 26 व बोडो पीपुल्स फ्रंट 11 सीटों पर चुनाव लड़ेगी।

-जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 मार्च। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने असम के लिए अपनी चुनावी रणनीति तय कर ली है। पार्टी ने अपने एनडीए सहयोगियों के साथ सीटों का बंटवारा तय कर लिया है और अब अंतिम चरण के प्रचार के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की तीन रैलियों की तैयारी जोर-शोर से कर रही है।

इस समझौते के तहत, भाजपा 89 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि उसकी सहयोगी असम गण परिषद 26 सीटों पर और बोडोलैंड पीपुल्स फ्रंट 11 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारेंगे। यह बंटवारा आंतरिक चर्चा के बाद तय किया गया है। पार्टी सूत्रों के अनुसार, अब पार्टी का पूरा ध्यान उम्मीदवारों के नामों की घोषणा करने और चुनाव प्रचार शुरू करने पर है।

उम्मीद है कि प्रधानमंत्री मोदी चुनाव प्रचार के अंतिम चरण में असम में तीन रैलियों को संबोधित करेंगे। इन रैलियों की संभावित तारीखें 1, 3 और 6 अप्रैल रखी गई हैं। ये रैलियां राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण क्षेत्रों में होने की संभावना है, जहां भाजपा अपनी स्थिति मजबूत करना चाहती है।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी मार्च महीने में पूरे असम में जोरदार प्रचार अभियान की कमान संभालेंगे। वे पार्टी कार्यकर्ताओं को उत्साहित करने और लोगों तक अपनी पहुँच बढ़ाने के लिए असम के कई क्षेत्रों का दौरा करेंगे।

भाजपा की केन्द्रीय चुनाव समिति उम्मीदवारों के नामों को अंतिम रूप देने के लिए बैठक कर रही है। सूत्रों का कहना है कि ज्यादातर सीटों पर मंजूरी जल्द मिल सकती है और पार्टी अगले दो दिनों में उम्मीदवारों की पूरी सूची जारी कर देगी।

सूत्रों के अनुसार, टिकट वितरण एक संवेदनशील प्रक्रिया है, जिसका स्थानीय राजनीति पर बड़ा असर पड़ता है। पार्टी के अंदर 2027 में प्रस्तावित परिसीमन (सीटों का पुनर्निधारण) पर भी चर्चा हुई है। पार्टी के नेताओं का मानना है कि इस प्रक्रिया का राज्य की राजनीति पर दूरगामी प्रभाव पड़ सकता है।

सीटों का बंटवारा तय हो जाने और शीर्ष नेतृत्व के सक्रिय हो जाने के बाद, भाजपा अब असम में अपनी रणनीति को जमीनी स्तर पर लागू करने की दिशा में तेजी से काम कर रही है।

असम की सभी 126 सीटों पर मतदान 9 अप्रैल को होगा और वोटों की गिनती 4 मई को की जाएगी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)